बी.पी.वाई.ई.-002 जनजातीय और दलित दर्शन

टिप्पणी 1. सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रश्न संख्या 1 और 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. जनजातियों के सामाजिक धार्मिक संस्कारों का विस्तृत विवरण दें। 20

अथवा

जीवन और जगत संबंधी दलित दृष्टि क्या है? अंबेडकर के दार्शनिक चिंतन ने जीवन और जगत संबंधी दलित दृष्टि किस प्रकार प्रभावित किया? 20

2. दलित पद के अर्थ की व्याख्या कीजिए। दलितों की उत्पत्ति के संबंध में विस्तृत टिप्पणी लिखिए। 20

अथवा

जनजातीय जीवन में लोक साहित्य के महत्व की विस्तार से व्याख्या कीजिए। 20

3. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।

क) आप भारत में दलित स्थिति के लिए नागरिक समाज की अवधारणा कैसे संबद्ध करेंगे 10

ख) आप दलित हाशियाकरण से क्या समझते हैं? दलित हाशियाकरण को समाप्त करने में सभ्य समाज की क्या भूमिका है? 10

ग) अछूतों की जीवन एवं जगत संबंधी दृष्टि के संबंध में आप क्या जानते हैं? 10

घ) दलितों के प्रति हिंसा को संरचनात्मक हिंसा क्यों माना जाता है? 10

4.) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर 150 शब्दों में करें।

क) नागरिक समाज की ग्राम्य अवधारणा की व्याख्या करें। 5

ख) समकालीन संदर्भ में दलित शब्द के अर्थ की व्याख्या करें। 5

ग) समझाए, भारतीय समाज में दलित कैसे हाशिए पर हैं। 5

घ) वर्ग एवं जाति के मध्य अंतर कीजिए। 5

च) किस प्रकार की संस्कृतियां मूलतः अर्थ तंत्रों में परिवर्तित हो जाती हैं? 5

छ) दलितों के जीवन जगत के उपनिवेशीकरण से आप क्या समझते हैं? 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर संक्षिप्त लेख लिखिए लगभग 100 शब्दों में :

क) पददलित इतिहास लेखन 4

ख) ताबेदारी व्यवस्था 4

ग) नैतिक अशुभ 4

घ) टोटमवाद 4

च) संख्या की राजनीति 4

छ) निर्वासित प्रेक्षक 4

ज) भेदभाव और अलगाव 4

झ) सम्मानपूर्ण दूरी 4